प्रेस विज्ञप्ति

15/11/2021

आज आचार्य विनोबा भावे (11 सितम्बर 1895 - 15 नवम्बर 1982) के स्मृति में एक रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक द्वारा किया गया। आचार्य विनोबा भावे भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे। उनका मूल नाम मूल नाम विनायक नारहरी भावे था। उन्हे भारत का राष्ट्रिय अध्यापक और गांधी का अध्यात्मिक उत्तराधिकारी समझा जाता था। उन्होने अपने जीवन के आखरी वर्ष पोनार, महाराष्ट्र केे आश्रम में गुजारे। उन्होने भूदान आन्दोलन चलाया। ब्लड बैंक प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल ने आचार्य भावे के प्रति अपने श्रद्धा शुमन अर्पित करते हुए उन्हें श्रधांजली अर्पित की। ब्लड बैंक टीम का नेतृत्व कर रहे गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक ने रक्तदान के विषय में रक्तदाताओं को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। रक्तदान - महादान अथवा जीवनदान एक सुक्ति केवल बोलने अथवा सुनने के लिए नही है अपितु आत्मसात् करने की आवश्यकता है। रक्तदाता की तुलना महर्षि दधिची के त्याग और बलिदान से कहीं अधिक मान्य है। महर्षि दधिची ने अपने प्राणों की आहूति अपनी अस्थियों को बारम्बार अपने शरीर से रक्तदान करके ना जाने कितने प्राणियों के प्राणों की रक्षा करता है। टेक्निशियन सुपरवाईजर श्री अमित मिश्रा ने बताया की रक्तदान के अनेक लाभ हैं जैसेः- वजन पर नियंत्रण, रक्तचाप का नियंत्रण, हृदयाघात से बचाव, मोटापा तथा मश्तिष्क रोग जैसे गंभीर बिमारियों से बचाव। एक रक्तदाता द्वारा दिया रक्त चार प्राणियों की रक्षा करता है। ब्लड बैंक परिचारिका श्रीमती शोभा राय ने आगे रक्तदाताओं से अपिल की कि हर तीन माह बाद आप रक्तदान करें तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

इस शिविर में भारी संख्या में रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जनमानस ने इसमें बढ - चढ कर हिस्सा लिया। रक्तदान वाहन के आडियो एवं विडीयो के कारण आस - पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी वहां पर उपस्थित हुए तथा कुछ ने रक्तदान में हिस्सा लिया। कुल लगभग 17 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। अंत में ब्लड बैंक प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं तथा उपस्थित समूह के प्रति आभार व्यक्त किया।